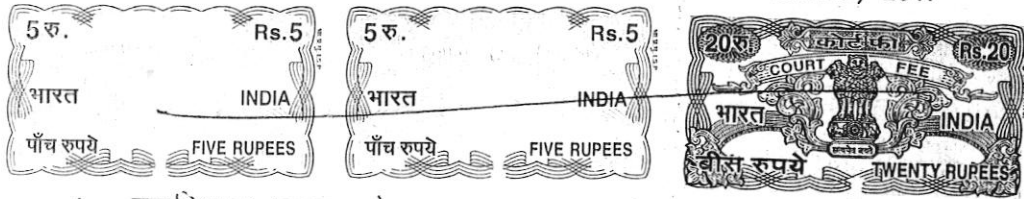


37

III / पुनर्विलोकन / रीवा / भू-मं० / 2017 / 2719

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर सर्किट कोर्ट रीवा

पुनर्विलोकन क्रमांक / 2017



Rs. 30/-

आध्यात्मिक अरविन्द चाण्डेय द्वारा प्रेषित 17-8-17

रामविशाल तनय शोभनाथ, उम्र 80 वर्ष, निवासी ग्राम घुरेहटा, तहसील मऊगंज, जिला रीवा (म०प्र०) —पुनर्विलोकनकर्ता/आवेदक

बनाम

क्लर्क आफ कोर्ट राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर (सर्किट कोर्ट) रीवा

- 1- मुस० जयरजुआ वेवा रामभुवन,
- 2- रामबहादुर सभी के पिता स्व० रामभुवन
- 3- रामयश सभी निवासी ग्राम घुरेहटा, तहसील मऊगंज
- 4- हिन्डलाल जिला रीवा (म०प्र०)
- 5- विष्णू प्रसाद
- 6- सुरेश प्रसाद
- 7- श्यामवती पुत्री रामभुवन पत्नी शेषमणि
- 8- सूर्यवती पुत्री रामभुवन पत्नी रामभिलाष
- 9- मानवती पुत्री रामभुवन पत्नी लखनलाल
- 10- अन्नपूर्णा पुत्री संतोष कुमार
- 11- मंजू पुत्री संतोष कुमार

सभी निवासी ग्राम घुरेहटा, तहसील मऊगंज, जिला रीवा (म०प्र०)

—गैरपुनर्विलोकनकर्तागण/अनावेदकगण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 51 म०प्र० भू राजस्व संहिता विरुद्ध आदेश इस माननीय न्यायालय के प्रकरण क०-1671/दो/10 में पारित आदेश दिनांक 24/05/16

मान्यवर,

पुनर्विलोकन के आधार निम्नलिखित है :-

- 1- इस माननीय न्यायालय द्वारा जो आदेश दिनांक 24/05/16 को उक्त उन्मान प्रकरण में पारित किया गया है सर्वथा विधि, विधान

न्यायालय, राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक तीन/रिव्यु/रीवा/भूरा/2017/2719

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकरो एवं अभिभाषकोंआदि के हस्ताक्षर
67-3-18	<p>आवेदक अधिवक्ता श्री अरविन्द पाण्डे उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता ने प्रकरण की ग्राह्यता पर तर्क प्रस्तुत किये। आवेदक के अधिवक्ता के तर्क श्रवण किये तथा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2- यह रिव्यु आवेदन पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 1671-दो/10 में पारित आदेश दिनांक 24.05.16 के विरुद्ध प्रस्तुत प्रकरण क्रमांक तीन/रिव्यु/रीवा/भूरा/2017/2719 के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने।</p> <p>3- आवेदक की ओर से पुनर्विलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण क्रमांक निगरानी 1671-दो/10 में वर्णित है। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 24.05.16 से किया जा चुका है।</p> <p>4-प्रकरण क्रमांक तीन/रिव्यु/रीवा/भूरा/2017/2719 म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में पुनर्विलोकन में जो आधार बताये गये हैं।</p>	

प्रकरण क्रमांक तीन/रिव्यु/रीवा/भूरा/2017/2719

//2//

प्रकरण क्रमांक तीन/रिव्यु/रीवा/भूरा/2017/2719

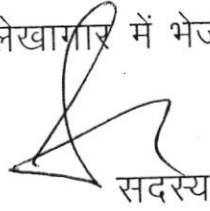
उनके विद्यमान होने पर ही रिव्यु आवेदन स्वीकार किया जा सकता है:-

अ- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी।

ब- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती।

स- कोई अन्य पर्याप्त कारण।

आवेदक ने रिव्यु का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है इसलिये इस रिव्यु आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिव्यु प्रकरण अग्राह्य किया जाता है। उभय पक्ष सूचित हों। राजस्व मण्डल का प्रकरण संचय हेतु अभिलेखागार में भेजा जावे।


सदस्य

